731

SA-06

December - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

वेद उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper - SA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पुरुष सूक्त के देवता, ऋषि एवं छन्द का क्या नाम है?

(ii) खिल सूक्त किसे कहते हैं?

(iii) द्युस्थानीय देवताओं के नाम लिखिए।

(iv) यजुर्वेद की शाखाओं (सहिताओं) के नाम लिखिए?

(v) काल सूक्त ऋग्वेद का कौनसा अध्याय है?

(vi) पुरुष सूक्त के अनुसार चन्द्रमा परम पुरुष के किस भाग से उत्पन्न हुआ?

(vii) कठोपनिषद् के अनुसार नचिकेता ने यम से द्वितीय वर क्या मांगा?

(viii) न्याय वैशेषिक के अनुसार समवायि कारण किसे कहते हैं?

(ix) अद्वैत वेदान्त के अनुसार अनुबन्ध चतुष्टय किसे कहते हैं?

(x) न्यायवैशैषिक के अनुसार आत्मा के कितने भेद माने गये हैं?

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

खण्ड – ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

(i) यस्त्र त्री पूर्णामधुना पदान्य, क्षीयमाणा स्वधया मदन्ति।
य उ त्रिधातु पृथिवीमुत द्याम् एको दाधार भुवनानि विश्वा।।

(ii) यं क्रन्दसी अवसा तस्तभाने, अभ्यैक्षेताम् मनसा रेजमाने।
यत्राधिसूर उदितो विभाति, कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

3) ऋग्वेद के संवाद सूक्त पर प्रकाश डालिए?

4) निम्न में से किसी एक की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए।

(i) शतायुषः पुत्रपौत्रान् वृणीष्व बहून् पशून् हस्तिहिरण्यमश्वान्।
भूमेर्महदायतनं वृणीष्व, स्वयं च जीव शरदो यावदिच्छसि।

(ii) अनुपश्य यथा पूर्वे प्रतिपश्य तथाऽपरे।
सस्यमिव मर्त्यः पच्यते सस्यमिवाऽऽजायते पुनः।।

5) न्यायवैशैषिक के अनुसार ईश्वर के षडैश्वर्य को संक्षेप में समझाइये।

6) बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रतीत्यसमुत्पाद को स्पष्ट कीजिए।

7) चार्वाक दर्शन के अनुसार देहात्मवाद को स्पष्ट किजिए।

8) सत्कार्यवाद क्या है? सत्कार्यवाद के पाँच तर्कों का उल्लेख कीजिए?

9) कठोपनिषद् के अनुसार आत्मज्ञान का अधिकारी कौन है? स्पष्ट कीजिए?

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड – स

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) इन्द्र सूक्त के अनुसार इन्द्र देवता के स्वरूप का वर्णन कीजिए।?

11) भारतीय दर्शन में कारणवाद को स्पष्ट करते हुए विवर्तवाद पर विशद लेख लिखिए?

12) ''सम्यगदर्शनज्ञानचरित्राणि मोक्षमार्ग'' इस पंक्ति के आलोक में जैन दर्शन में मोक्ष के स्वरूप पर निबन्ध लिखिए।

13) कठोपनिषद् प्रोक्त यम नचिकेता संवाद के आधार पर आत्मतत्त्व के भेद एवं रथ के रूपक का वर्णन कीजिए।